



UNIVERSITY OF CALCUTTA

Notification No. CSR/27/2024

It is notified for information of all concerned that in terms of the provisions of Section 54 of the Calcutta University Act, 1979, (as amended), and, in the exercise of her powers under 9(6) of the said Act, the Vice-Chancellor has, by an order dated 22.05.2024 approved "Paryavaran Our Hindi Sahitya" as SEC-2 paper which shall be offered with the "Digital Empowerment" as SEC-2 paper, included in the syllabus (as published under CSR/13/2024, dt. 13.03.2024) of semester-2 of Hindi (Honours and Honours with Research) Courses of Studies under CCF,2022, under this University, as laid down in the accompanying pamphlet.

The Students Pursuing Hindi (Honours and Honours with Research) shall opt either "Paryavaran our Hindi Sahitya" or "Digital Empowerment" as SEC-2 Paper in Semester-2.

The above shall take immediate effect.

SENATE HOUSE

Kolkata-700073

29.05.2024

A handwritten signature in blue ink, appearing to read 'D 29/5/2024'.

Prof.(Dr.) Debasis Das

Registrar

SEC = 4 credits (1x4)
3th + 1P/TU

HIN-H-SEC-2-2-TH

पर्यावरण और हिंदी साहित्य

पर्यावरण-चिंतन : अवधारणा का विकास

- प्रकृति, पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी : अवधारणा और महत्व
- पर्यावरण और भारतीय चिंतन परम्परा
- वैदिक काल, पूर्व आधुनिक काल, आधुनिक काल
- भारत में पर्यावरण आंदोलन

हिंदी पद्य में प्रकृति

- प्राकृतिक सौन्दर्य – श्रीधर पाठक
- आः धरती कितना देती है – सुमित्रानंदन पंत
- वृक्ष – 1, वृक्ष -2 – स. ही. वात्स्यायन अज्ञेय
- पानी की प्रार्थना – केदारनाथ सिंह
- एक वृक्ष भी बचा रहे – नरेश सक्सेना

हिंदी गद्य में प्रकृति

- हल्दी – दूब और दधि – अक्षत : विद्यानिवास मिश्र
- सुलगती टहनी : निर्मल वर्मा
- आज भी खरे है तालाब : अनुपम मिश्र
- भागमती का चायघर – एस. आर. हरनोट
- एक पेड़ की मौत – अलका सरावगी

सहायक ग्रंथ

1. विकास और पर्यावरण : सुभाष शर्मा, प्रकाशन विभाग, सूचना प्रसारण मंत्रालय, नई दिल्ली
2. जल, थल, मल : सोपान जोशी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. लोग क्यों करते हैं प्रतिरोध: सुभाष शर्मा, प्रकाशन विभाग, नई दिल्ली
4. साफ माथे का समाज: अनुपम मिश्र, पेंग्विन इंडिया, नई दिल्ली
5. विचार का कपड़ा: अनुपम मिश्र, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
6. तालाब झारखंड : हेमंत, नई किताब प्रकाशन, नई दिल्ली
7. अहिंसक अर्थव्यवस्था: नंदकिशोर आचार्य, प्राकृत भारती अकादमी, जयपुर
8. गांधी हैं विकल्प : नंदकिशोर आचार्य, प्राकृत भारती अकादमी, जयपुर
9. साहित्य का पारिस्थितिक दर्शन : के. वनजा, पर्यावरण संबंधित पुस्तक

आलोचनात्मक प्रश्न 12X3 = 36 (पाँच में से तीन)

टिप्पणी – 7.5X4 = 30 (छः में से चार)

वस्तुनिष्ठ – 1X9 = 9